(Raosaheb Patil Danve)
रेल, कोयला एवं खान मंत्रालय में राज्य मंत्री
Minister of State in the Ministry of Railways
Coal and Mines

इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड

वर्ष 2020-21 के लिए इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड (इरकॉन) के कार्य निष्पादन/गतिविधियों की वार्षिक समीक्षा

पृष्ठभूमि

इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड, रेल मंत्रालय के अधीन एक केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम (सीपीएसई) है। यह एकीकृत इंजीनियरिंग एवं निर्माण कंपनी है, जो रेलवे, राजमार्ग, पुल, फ्लाईओवर, सुरंगों, विमान अनुरक्षण हैंगर, रनवे, एक्सट्रा हाई वोल्टेज (ईएचवी) उप-स्टेशन, विद्युत एवं यांत्रिकी निर्माण कार्यों, वाणिज्यिक एवं आवासीय परिसंपत्तियों, औद्योगिक क्षेत्रों के विकास तथा अन्य अवसंरचनात्मक गतिविधियों सहित प्रमुख अवसंरचनात्मक क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्राप्त कंपनी है। कंपनी एक अनुसूची-"क", तथा मिनीरत्न-श्रेणी । की सार्वजनिक क्षेत्र की सूचीबद्ध कंपनी है।

अभी तक, इरकॉन ने विश्वभर के 25 देशों में 128 और भारत में 395 परियोजनाओं को पूरा किया है। इरकॉन को मार्च, 2021 में जारी बिजनस स्टैंडर्ड बीएस1000 वार्षिक पत्रिका में 'निर्माण और अवसंरचना' क्षेत्र में 2020 में कुल राजस्व में रैंक '180' और क्षेत्र निष्पादन के अनुसार रैंक '10' प्रदान किया गया। यूएसए इंजीनियरिंग न्यू रिकार्ड (ईएनआर) के 2021 संस्करण के अनुसार, इरकॉन एकमात्र भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है, जिसने शीर्ष 250 अंतर्राष्ट्रीय ठेकेदारों की सूची में जगह बनाई है।

वित्तीय विशेषताएं

वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान, कंपनी ने स्टेंडएलोन आधार पर 5,200 करोड़ रुपए की कुल आय तथा 4,948 करोड़ रुपए का प्रचालनिक टर्नओवर अर्जित किया है।
वर्ष 2019-20 की तुलना में वर्ष 2020-21 के लिए कंपनी के वित्तीय निष्पादन के कुछ महत्वपूर्ण सूचकांक निम्नानुसार हैं:

क्र.सं.	विवरण	2020-21 (करोड़ रुपए में)	2019-20 (करोड़ रुपए में)	वृद्धि/(कमी) [%में]
1.	कुल आय/टर्नओवर	5,200	5,442	(4.44 %)
2.	कुल प्रचालनिक आय/टर्नओवर	4,948	5,202	(4.89 %)
3.	विदेशी परियोजनाओं से प्रचालनिक आय	582	443	31.38%
4.	भारतीय परियोजनाओं से प्रचालनिक आय	4,366	4,759	(8.26%)
5.	करपूर्व लाभ	574	673	(14.65%)
6.	करपश्चात लाभ	405	490	(17.40%)
7.	निवल परिसंपत्ति	4,406	4,161	5.90%
8.	लाभांश (अंतिम एवं अंतरिम)	221	223	(0.09%)

कंपनी ने फरवरी, 2021 में 61.13 करोड़ रु. (लगभग) राशि का 1.30 रुपए प्रति इक्विटी शेयर (प्रत्येक 2/- रु. के अंकित मूल्य पर) के अंतरिम लाभांश का भुगतान किया है और वार्षिक आम बैठक में 159.80 करोड़ रु. की राशि का 1.70 रुपए प्रति इक्विटी शेयर (प्रत्येक 2/- रु. के अंकित मूल्य पर) का अंतिम लाभांश घोषित किया है। इस प्रकार, वर्ष 2020-21 के लिए कुल लाभांश 221.02 करोड़ रुपए हो गया है, जो कि 188.10 करोड़ रु. की प्रदत्त इक्विटी शेयर पूंजी का 117.50% है तथा 31 मार्च, 2021 को कर पश्चात लाभ 54.63% और शुद्ध मूल्य 5.01% आंका गया है।

शेयर पूंजी और विनिवेश:

(क) शेयरों की बिक्री के लिए प्रस्ताव

वित्तीय वर्ष 2020-21 में भारत सरकार ने स्टॉक एक्सचेंज तंत्र द्वारा बिक्री के लिए प्रस्ताव के माध्यम से 89.75/- रुपए प्रति शेयर की दर से 677.07 करोड़ रुपए की राशि (सकल स्टॉक एक्सचेंज लेन-देन प्रभारों और सभी लागू करों एवं प्रभारों सहित) कंपनी की प्रदत्त पूंजी का 16 प्रतिशत (अर्थात् 3 मार्च, 2021 को गैर-खुदरा निवेशकों को 5,26,68,882 इक्विटी शेयर और 4 मार्च, 2021 को खुदरा निवेशकों को 2,25,72,378 इक्विटी शेयर, कुल 7,52,41,260 इक्विटी शेयर) विनिवेश किए। कंपनी की प्रदत्त इक्विटी शेयर पूंजी में अब भारत के राष्ट्रपति की शेयरधारिता 73.18 प्रतिशत है, जिससे कंपनी प्रतिभूति अनुबंध (विनियमन) नियम, 1957 के नियम 19(2) और नियम 19ए में विर्निदिष्ट न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता (एमपीएस) की आवश्यकताओं के अनुकूल हो गया है।

(ख) शेयरों का विभाजन

कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान प्रत्येक 10 रुपये के अंकित मूल्य के एक (1) इक्विटी शेयर को 2 रुपये के अंकित मूल्य के पांच (5) इक्विटी शेयरों में विभाजित किया। शेयर के अंकित मूल्य में परिवर्तन का प्रभाव स्टॉक एक्सचेंजों में शेयर मूल्य पर परिलक्षित हुआ जहां कंपनी 3 अप्रैल, 2020 से सूचीबद्ध (बीएसई और एनएसई) है, और प्रत्येक 2 रुपये के अंकित मूल्य के शेयरों के क्रेडिट की निगमित कार्रवाई 8 अप्रैल, 2020 को पूरी हो गई थी, इस प्रकार शेयरों के विभाजन के बाद और 31 मार्च, 2021 को कंपनी की अधिकृत शेयर पूंजी 400 करोड़ रुपये हो गई है जिसमें प्रत्येक 2 रुपये के 200 करोड़ इक्विटी शेयर शामिल हैं और कंपनी की जारी और प्रदत्त शेयर पूंजी 94.05 करोड़ रुपये है (जिसमें प्रत्येक 2 रुपये के 470,257,870 इक्विटी शेयर शामिल) हैं।

(ग) बोनस शेयर

वित्तीय वर्ष 2020-21 समाप्त होने के पश्चात्, इरकॉन ने अंकित मूल्य वाले शेयरों को 1:1 के अनुपात में पूर्ण रूप से प्रदत्त इक्विटी बोनस शेयरों को जारी किया अर्थात् 2/- रुपए के प्रत्येक मौजूदा एक (1) इक्विटी शेयर के लिए प्रत्येक 2/- का एक (1) नया पूर्ण प्रदत्त इक्विटी शेयर तथा शेयर मई, 2021 में अंतरित किए गए। 25 मई, 2021 को बीएसई और एनएसई से सैद्धांतिक अनुमोदन प्राप्त होने के पश्चात् बोनस शेयरों की क्रेडिट संबंधी कॉरपोरेट कार्रवाई 1 जून, 2021 को पूर्ण हुई। तदनुसार, इरकॉन की प्रदत्त शेयर पूंजी 94.05 करोड़ रूप से बढ़कर 188.10 करोड़ रुपए (प्रत्येक 2/- वाले 94,05,15,740 इक्विटी शेयर) हो गई है।

इरकॉन 31 मार्च, 2021 को 4152.38 करोड़ रुपए के बाजार पूंजीकरण के साथ बाजार पूंजीकरण के अनुसार भारत की शीर्ष 500 सूचीबद्ध कंपनियों में से है।

कोविड-19 का प्रभाव:

<u>वित्तीय निष्पादन:</u> वित्तीय वर्ष 2020-21 की प्रथम तिमाही के दौरान लॉकडाऊन के प्रभाव और दूसरी तिमाही में कुछ सीमा तक आपूर्ति श्रृंखला पर दबाव के कारण वर्ष की दूसरी छमाही में अधिक ऊंचे लक्ष्य को देखते हुए राजस्व और लाभदायकता लक्ष्य को संशोधित किया गया था। कंपनी ने दूसरी छमाही के दौरान अच्छा प्रदर्शन किया और अवधि के दौरान पिछले वर्ष के निष्पादन से श्रेष्ठ रहा और अंततः, रेल मंत्रालय द्वारा निर्धारित लक्ष्यों के करीब पहुंचने में सक्षम हुई। बहरहाल, समाप्त वर्ष के लिए परिणाम पिछली अवधियों से तुलना योग्य नहीं थे।

<u>निर्बाध कार्यप्रणाली के लिए उठाए गए कदम:</u> कंपनी ने सभी कर्मचारियों और आंगतुकों की थर्मल स्क्रीनिंग, नियमित आधार पर परिसरों एवं वाहनों का स्वच्छीकरण, सभी कार्य स्थलों पर सामाजिक दूरी को बनाए रखना और मास्क पहनना निश्चित करना को सुनिश्चित करते हुए कोविड-19 के लिए कड़ी निगरानी प्रक्रियाओं को जारी रखा गया है। इसके अतिरिक्त, कंपनी ने कर्मचारियों और उनके परिवारों के लिए कोविड केयर सेंटरों और टीकाकरण केंद्रों को स्थापित करने तथा उनकी चिकित्सा देखरेख सुविधाओं तक पहुंच उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न कदम उठाए हैं।

प्रचालनिक विशेषताएं

विदेशी परियोजनाएं

बांग्लादेश, अल्जीरिया श्रीलंका और नेपाल में निम्नलिखित विदेशी परियोजनाएं प्रगतिरत हैं यथा

(क) <u>बांग्लादेश</u> - बांग्लादेश रेलवे के लिए खुलना-मोंगला पोत रेल लाइन के परियोजना निर्माण के अंतर्गत इम्बार्कमेंट, रेलपथ का निर्माण, सभी सिविल कार्य, प्रमुख और गौण पुलों (रूपसा को छोड़कर) तथा पुलिया का निर्माण कार्य और डब्ल्यूडी-1 के प्रति ईएमपी का क्रियान्वयन।

(ख) <u>अल्जीरिया</u>- एएनईएसआरआईएफ, परिवहन मंत्रालय, अल्जीरिया सरकार के लिए अल्जीरिया में दोहरी रेलपथ लाइन (93 किमी) के संस्थापन की परियोजना।

(ग) <u>श्रीलंका</u>- परिवहन और नागर विमानन मंत्रालय, श्रीलंका सरकार के अंतर्गत श्रीलंकन रेलवे द्वारा प्रदान किया गया इंडियन लाइन ऑफ क्रेडिट के अंतर्गत माहो से ओमनथई तक रेल लाइन का अपग्रेडेशन, रेलपथ पुनस्थान और अनुषंगी कार्य।

(घ) नेपाल - कंपनी नेपाल में निम्नलिखित दो परियोजनाओं को क्रियान्वित कर रही है, यथा

(i). भारत-नेपाल सीमा पर जोगबनी (भारत)-बिराटनगर (नेपाल) के बीच बड़ी आमान की रेल लाइन का निर्माण;

(ii). भारत नेपाल सीमा पर बारडीबस तक विस्तार सहित जयनगर (भारत)-बिजलपुरा (नेपाल) आमान परिवर्तन द्वारा बड़ी आमान की लाइन का निर्माण।

घरेलू परियोजनाएं:

वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान, इरकॉन ने भारत में पांच घरेलू परियोजनाओं को पूरा किया है यथा:

क) 607 करोड़ रूपए की लागत पर झारखंड राज्य के पांच जिलों (गरवा, गुमला, रांची, लोहारदागा और सिम्डेगा) में पुलों सहित ग्रामीण सड़कों का निर्माण/उन्नयन।

ख) 791.19 करोड़ रूपए की लागत पर इरकॉन दावनगेरे हावेरी हाइवे लिमिटेड के लिए कर्नाटक राज्य में एनएच-48 के दावनगेरे-हावेरी (किमी 260+000 से किमी 338+923 तक) छः लेन का निर्माण।

ग) 433 करोड़ की लागत पर पूर्वोत्तर रेलवे के लिए सिगनल प्रणाली सहित मथुरा-कासगंज-कल्याणपुर रेल विद्युतीकरण परियोजना।

घ) आरएपीडीआरपी- 420 करोड़ रूपए की लागत पर जेएंडके पॉवर डेवलपमेंट के लिए जम्मू प्रोविएंस (क्लस्टर-I, जम्मू लेफ्ट), (क्लस्टर-II, जम्मू राइट) और (क्लस्टर-IV) अखूर, राजौरी, पूंछ, उधमपुर, डोडा, किश्तवाड़ एवं भद्रवाह के अंतर्गत पार्ट बी परियोजना।

ङ) 282 करोड़ रुपए की लागत पर पश्चिम-मध्य रेलवे के लिए कटनी-सिंगरौली के लिए रेल विद्युतीकरण कार्य।

उपरोक्त के अतिरिक्त, कॉरपोरेट योजना के अनुसार इरकॉन ने, चुनिंदा विविधीकरण के लिए रियल एस्टेट क्षेत्र को चिह्नित किया है। कंपनी नौएडा, उत्तर प्रदेश और गुरुग्राम, हरियाणा में स्थित अपनी संपत्तियों को विकसित कर रही है और लीज पर देने/बिक्री के लिए संभावनाओं का पता लगा रही है।

इसके अतिरिक्त, कंपनी अपफ्रंट लीज प्रीमियम के भुगतान पर **99 वर्ष के लिए बांद्रा ईसटस, मुंबई,** महाराष्ट्र में **4.3** हेक्टेयर रेल भूमि के वाणिज्यिक विकास का कार्य भी कर रही है। इसके लिए, इरकॉन ने उक्त भूमि खंड पर वाणिज्यिक विकास के लिए इरकॉन के पट्टा-धारण अधिकारों को अंतरण करने हेतु रेल भूमि विकास प्राधिकरण (आरएलडीए) के साथ दिनांक 26 मार्च, 2018 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर भी किए हैं। अपनी भूमिका और दायित्वों को ध्यान में रखते हुए, इरकॉन अपफ्रंट लीज प्रीमियम के कुल 3% के बराबर राशि के लिए शुल्क आरएलडीए से प्राप्त करने का हकदार है और 3200 करोड़ रुपए के वित्तपोषण के लिए इरकॉन, आरएलडीए और इंडियन रेलवे फाइनेंस कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईआरएफसी) के बीच त्रिपक्षीय ऋण समझौता किया गया था और ब्याज और सभी व्ययों के साथ ऋण पुनर्भुगतान की आरएलडीए द्वारा गारंटी की गई है। मुंबई मेट्रोपोलोलिटन रीजन डेवलपमेंट ऑथोरिटी (एमएमआरडीए) ने मुख्य यातायात में समावेश करने के लिए प्रवेश और निकास मार्ग उपलब्ध कराने पर सैद्धांतिक सहमति दे दी है और अब प्लॉट पट्टे पर दिया जा सकता है। 26 मार्च, 2018 को हस्ताक्षरित एमओयू 31 मार्च, 2021 को हो गया है और इरकॉन इसे आगे और नहीं बढ़ा सकता है।

रियल एस्टेट क्षेत्र में विविधीकरण के अतिरिक्त, कंपनी सौर ऊर्जा विकास क्षेत्र में हाथ आजमाने की इच्छुक है और इंडियन रिन्यूबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी लिमिटेड (आईआरईडीए) द्वारा जारी निविदा में भाग ले रही है।

आर्डर बुक

वर्ष 2020-21 के दौरान, कंपनी ने पीएसयू के बीच प्रतिस्पर्धात्मक बोली द्वारा रेल मंत्रालय से 4157.08 करोड़ रुपए के कार्य प्राप्त किए। 31 मार्च, 2020 को 30,717 करोड़ रुपए (लगभग) के आर्डर बुक मूल्य की तुलना में 31 मार्च 2021 को आर्डर बुक मूल्य 34,689 करोड़ रुपए (लगभग) है।

समझौता ज्ञापन (एमओयू) रेटिंग/पुरस्कार

वर्ष 2018-19 के लिए रेल मंत्रालय के साथ हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के अंतर्गत कंपनी की रेटिंग "उत्कृष्ट" है। वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए एमओयू निष्पादन का मूल्यांकन किया जा रहा है।

इसके अतिरिक्त, कंपनी ने वर्ल्ड एचआरडी कांग्रेस द्वारा 'नेशनल एवार्ड फॉर एक्सीलेंस इन पीएसयू'; तीन कोटियों यथा 'संधारणीय अवसंरचना एवं विकास' के लिए, कोविड-19 के दौरान डिजीटल ट्रांसफार्मेशन के लिए, भारतीय रेल के लिए स्मार्ट अवसंरचना में 'इलाइट नेशनल पीएसयू एवार्ड ऑफ एक्सीलेंस'; तीन कोटियों यथा बेस्ट प्रोफेशनली मैनेज्ड कंपनी के लिए (1,000 करोड़ रुपए से अधिक टर्नओवर कैटेगरी में), सर्वोत्तम निर्माण परियोजना (मथुरा-कासगंज परियोजना के लिए) और कोरोना योद्धाओं के लिए कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्री डेवलपमेंट कौंसिल (सीआईडीसी) द्वारा 12वां सीआईडीसी विश्वकर्मा एवार्ड; और 8वां फिक्की क्वालिटी सिस्टम एक्सीलेंस एवार्ड जीते हैं।

सीएसआर और संधारणीयता

वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए सीएसआर बजट 10.42 करोड़ रुपए था जो पिछले तीन वित्तीय वर्षों की अवधि में इसकी भारतीय परियोजनाओं के रिकार्ड शुद्ध लाभ के औसत का 2 प्रतिशत है। वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान, इरकॉन ने अपनी सीएसआर पहलकदमियों पर 10.42 करोड़ रुपए व्यय किए है। आपदा में प्रधानमंत्री नागरिक सहायता और राहत निधि (पीएम केयर्स फंड) में दान की गई कुल राशि 15.50 करोड़ रुपए है।

****